कंपनी ने 18 हजार करोड़ रुपये में परिचालन अधिकार खरीदा, स्पाइस जेट ने लगाई थी 15,100 करोड़ की बोली

मुहर: एयर इंडिया 67 साल बाद फिर टाटा के पास पहुंचा

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

कर्ज के बोझ तले दबी एयर इंडिया को संभालने की जिम्मेदारी एक बार फिर टाटा ने उठाई है। टाटा संस ने 18 हजार करोड़ रुपये की बोली लगाकर कंपनी के परिचालन का अधिकार हासिल कर लिया है। बता दें कि 67 वर्ष पहले एयर इंडिया टाटा समूह के पास ही थी।

परिचालन अधिकार हासिल करने की दौड़ में दूसरी कंपनी स्पाइस जेट थी जिसने 15,100 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। टाटा समूह के प्रमुख रतन टाटा ने ट्वीट कर कहा, एयर इंडिया! वापसी पर आपका स्वागत है।

> एयर इंडिया को नए सिरे से खड़ा करने में बहुत मेहनत लगेगी। लेकिन इससे विमानन उद्योग में टाटा समूह को बड़े कारोबारी मौके भी मिलेंगे।
> –रतन टाटा, टाटा समूह के मुखिया

हिस्सेदारी

सरकार इस एयरलाइन में अपनी 100% हिस्सेदारी बेच रही है। इसमें एयर इंडिया की एआई एक्सप्रेस लिमिटेड में 100% और एयर इंडिया एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में 50% हिस्सेदारी है।

सौदे में क्या

वित्त मंत्रालय ने कहा कि सौदे में नॉन कोर संपत्तियां जैसे भवन और जमीन आदि सरकार के पास रहेंगी। विमान से जुड़ी संपत्तियों का ही हस्तांतरण होगा। बोलीदाता को एक साल तक के लिए कर्मचारियों को रखना होगा।

सरकारी कंपनियों के निजीकरण की जिम्मेदारी संभालने वाले निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि टाटा संस की सहयोगी कंपनी मैसर्स टालासी प्राइवेट लिमिटेड ने बोली जीती। टाटा की 18,000 करोड़ रुपये की बोली में 15,300 करोड़ रुपये का कर्ज लेना और बाकी का नकद भुगतान शामिल है। सौदा दिसंबर तक पूरा होगा। नागर विमानन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल के मुताबिक, एयर इंडिया में 12,085 कर्मचारी हैं। इनमें 8,084 स्थायी और 4,001 अस्थायी हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस में 1434 कर्मचारी हैं।

टाटा बना पायलट पेज 15